दैनिक भास्कर 31.1.2020

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में की गई गांधी पीठ की स्थापना

सिटी रिपोर्टर . इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर गुरुवार को समाज विज्ञान अध्ययनशाला के अंतर्गत राजनीति शास्त्र विभाग में गांधी पीठ की स्थापना की गई। इसके बाद गांधी दर्शन एवं सतत विकास विषय पर संगोष्ठी हुई। इसमें मुख्य वक्ता चिन्मय मिश्र ने गांधी और गौतम की तुलना करते हुए महात्मा गांधी के दर्शन एवं सतत विकास के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान संदर्भ में गांधी की प्रासंगिकता तब तक बनी रह सकती है, जब हम विकास के विभिन्न आयामों को नजदीक से देखें। बदलते पर्यावरण एवं राजनीतिक समीकरणों के आधार पर गांधीवादी चिंतन एवं दर्शन के माध्यम से एक संरचनात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। संगोष्ठी के अंत में गांधी पीठ की अध्यक्ष व कुलपति डॉ. रेणु जैन ने देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में गांधीवादी मूल्यों पर आधारित हथकरघा कोर्स के विषय में बताया।

नईदुनिया 31.1.2020

विश्वविद्यालय में 'गांधी चेयर' की स्थापना

इंदौर। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर गुरुवार को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में 'गांधी चेयर' (गांधी शोध पीठ) की स्थापना की गई। इसकी जिम्मेदारी समाज विज्ञान अध्ययनशाला के अंतर्गत राजनीति शास्त्र विभाग को मिली है। परिचर्चा का विषय 'गांधी दर्शन एवं सतत विकास' था। मुख्य वक्ता चिन्मय मिश्र थे। गांधीवादी चिंतक अनिल भंडारी और कुलपति एवं गांधी चेयर की अध्यक्ष डॉ. रेणु जैन ने भी विचार रखे। गांधी चेयर के सदस्य डॉ. संजय जैन ने विषय के बारे में बताया। संचालन विभागाध्यक्ष समाज विज्ञान अध्ययनशाला एवं गांधी चेयर की सचिव डॉ. रेखा आचार्य ने किया।

इंदौर समाचार 31.1.2020

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में गांधी चेयर की स्थापना

इंदौर। भारतीयता ही नहीं वरन संपूर्ण विश्व में आदर्श एवं यथार्थ के एकी, भूत समन्वयक के रूप में विख्यात सुकृत शिरोमणि मोहनदास करमचंद गांधी जिन्हें हम महात्मा गांधी, बापू, राष्ट्रपिता व अन्य नामों से जानते हैं 7 उनके जीवन विचार दर्शन एवं सिद्धांत हर समय हर युग में वह प्रत्येक देश काल एवं परिस्थिति में प्रासंगिक रहे हैं और रहेंगे।

आज देवी अहिल्या विश्वविद्यालय आरएनटी मार्ग नालंदा परिसर स्थित देवी अहिल्या सभागृह में माननीय कुलपति महोदय द्वारा गांधी चेयर की विधिवत घोषणा की गई एवं इसका उद्घाटन किया गया, तत्पश्चात दोपहर 2:00 बजे देवी अहिल्या विश्वविद्यालयः तक्षशीला परिसर स्थित सभागृह में गांधी चेयर के उद्घाटन अवसर पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसका विषय था %गांधी दर्शन एवं सतत विकास% प्रस्तुत विषय पर शहर के प्रख्यात गांधीवादी चिंतक व प्राध्यापकों ने अपने विचार रखे,

सर्वप्रथम गांधी चेयर के सदस्य डॉ संजय जैन ने प्रस्तुत विषय पर एक परिचयात्मक उद्बोधन दिया। तत्पश्चात गांधीवादी चिंतक अनिल भंडारी जी ने महात्मा गांधी के संदर्भ में तथा वर्तमान समय में पर्यावरण की बढ़ती चिंताओं के संदर्भ में अपने विचार प्रस्तुत किए परिचर्चा के मुख्य वक्ता चिन्मय मिश्र ने गांधी और गौतम की तुलना करते हुए महात्मा गांधी के दर्शन एवं सतत विकास के संबंध में उनकी संरचनात्मक कार्ययोजनाओं के विषय में सभी को अवगत करवाया देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति एवं गांधी चेयर की अध्यक्ष डॉ. रेणु जैन ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन कर रही विभागाध्यक्ष समाज विज्ञान अध्ययनशाला एवं गांधी चेयर की सचिव डॉ रेखा आचार्य ने कार्यक्रम का संचालन किया।